आरती गोमाता जी की

आरती श्री गैया मैया की ।
आरती हरन विश्वधैया की ।। टेक ।।
अर्थ काम सत्य धर्म-प्रदयिनि ।
अविचल अमल मुक्तिपददयिनी ।। आरती () ।।
सुर-मानव सौभाग्य-विधायिनी ।
प्यारी पुज्य नन्द-छैया की ।। आरती () ।।
अखिल विश्व प्रतिपालिनि माता ।
मधुर अमिय दुग्धान्न प्रदाता ।। आरती () ।।
रोग-शोक-संकट परित्राता ।
भवसागर हित दृढ़ नैया की ।। आरती () ।।
आयु-ओज-आरोग्य विकासिनी ।
दुःख-दैन्य-दारिद्रय-विनासिनी ।। आरती () ।।
सुषमा-सीख्य-समृद्धि-प्रकाशिनी ।
विमल विवेक बुद्धि दैया की ।। आरती () ।।
सेवक हो चाहे दुखदाई ।
सम पय-सुधा पियावति माई ।। आरती () ।।
शत्रु मित्र सबको सुखदाई ।
स्नेह स्वभाव विश्व-जैया की ।। आरती () ।।

विवरण

जो पूरे विश्व की माता हैं एवं जिनके आरती करने से सभी विपत्तियाँ टल जाती हैं ऐसी गो-माता की हम आरती करते हैं । जो सच्चे सदाचार की प्रयोजन हैं ऐसी गो-माता के स्वच्छ एवं शुद्ध पैरों की पूजा करने से हमें मुक्ति प्रदान होती है । आप देवता एवं मनुष्यों के अच्छे भाग्य को प्राप्त कराने वाली हो तथा यशोदा नन्दन की आप बड़ी ही प्यारी एवं पूजनीय हो ।

सम्पूर्ण विश्व आपकी सेवा करता है, तथा आप सभी को अपना मीठा दूध प्रदान करती हो । रोग, दुख एवं विपत्ति का आप नाश करती हो तथा भवसागर पार के लिए नैया का काम करती हो । आप उम्र, बल एवं स्वास्थ्य का विकास करने वाली हो तथा हमारी व्यथा एवं दीनता की नाश करने वाली हो ।

हमें अत्यन्त सुखद सीख की अनुभूति कराने वाली हो तथा हममें शुद्ध ज्ञान एवं अच्छी बुद्धि को भरने वाली हो । आप सभी को समान रूप से अपना अमृत रूपी पेय दूध पिलाती हो, चाहे वह आपकी सेवा करने वाला हो या कोई दु:खीप्राणी ही क्यों न हो । शत्रु हो अथवा मित्र हो सबको सुख पहुँचाने वाली हो तथा अपने स्नेह एवं स्वभाव से सबको खुश रखती हो ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.